नवभारत रायपुर, रविवार 10 जनवरी 2010

रोबोटिक्स क्षेत्र के महारथियों का हुआ संगम

वर्कशॉप में उपस्थित अतिथि व प्रतिभागी छात्र-छात्राएं

✦ नवभारत संवाददाता

भिलाईनगर. रूंगटा कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी (आरसीईटी) के मेकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट द्वारा प्रो. एसी राव की स्मृति में प्लानर पैरेलल रोबोट्स एण्ड मेकेनिज्म विषय पर आयोजित नेशनल सिम्पोजियम तथा कार्यशाला का आज समापन हो गया. कार्यक्रम के प्रारंभ में इस सिम्पोजियम के कोआर्डिनेटर डॉ. श्रीनाथ ने सिम्पोजियम की गतिविधियों का ब्योरा दिया. आरसीईटी के डायरेक्टर डॉ. ए जगदीश ने प्रो. एसी राव के शोध कार्यों के समर्पण का विशेष उल्लेख किया. जीडीआर एजुकेशनल सोसायटी के चेयरमेन संतोष रूंगटा ने अपने संबोधन में कहा कि यह गौरव का विषय है कि आईआईटी तथा एनआईटी जैसे कालेजों के लिए इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आयोजित करने वाली एसोसिएशन फॉर मेकेनिज्म एण्ड मशीन (एएमएम-इंडिया) ने हमारे कालेज को प्रो. एसी राव की स्मृति में आयोजित इस सिम्पोजियम को प्रायोजित किया है.

प्रो. एसके साहा ने कहा कि देश में यदि तकनीकी क्षेत्र में शोध कार्यों में तेजी लानी है तो हमें पाजीटीव सोचना होगा.

उन्होंने इस सिम्पोजियम में प्रतिभागियों की उपस्थिति तथा रोबोटिक्स विषय के प्रति जानने की उत्सुकता पर विशेष रूप से प्रसन्नता जताई. विशेष अतिथि छग शासन के पूर्व डायरेक्टर टेक्निकल एजुकेशन डॉ. डीएस बल ने प्रो. एसी राव का स्मरण करते हुए उन्हें उच्च तकनीकी शिक्षा का एक समर्पित व्यक्तित्व बताया.

रूंगटा कॉलेज में नेशनल वर्कशॉप

सिम्पोजियम में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं तथा विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही तथा वे रोबोटिक्स के क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों से अवगत हुए. इस दौरान रोबोटिक्स क्षेत्र की अत्याधुनिक रिसर्च टेक्निक्स पर देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए प्रतिभागियों ने अपने पेपर प्रेजेण्ट किये. सिम्पोजियम में वीआईटी, वेल्लोर से उपस्थित प्रो. बीवीए राव ने उच्च शिक्षा पर एक शिक्षाप्रद प्रेजेण्टेशन दिया. एनआईटी-राउरकेला से आये डॉ. श्रीनिवास द्वारा प्लानर रोबोट्स पर आधारित टॉक उपयोगी रहा.

मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित किये. जीडीआर एजुकेशनल सोसायटी के चेयरमेन संतोष रूंगटा व वाईस चेयरमेन संजय रूंगटा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह तथा शॉल द्वारा सम्मानित किया. मौके पर उपस्थितजनों ने रूंगटा-समूह के डायरेक्टर (टेक्निकल) सौरभ रूंगटा, साकेत रूंगटा, डॉ. आरपी सुखीजा, प्रिंसिपल आरएसआरआरसीईटी, डॉ. नीता त्रिपाठी, प्रिंसिपल जीडीआरसीईटी डॉ. ए वाणी, डीन, डॉ. वायएम गुप्ता, डॉ. डीके मिश्रा, डॉ. सान्याल तथा विभिन्न इंजी. कालेजों के प्रमुख तथा एचओडी तथा वरिष्ठ प्राध्यापकगण थे.

भिलाई सिटी | नईदुनिया

रायपुर, रविवार 10 जनवरी 2010

रोबोटिक्स व रोबोकॉन से रूबरू हुए स्टूडेंट्स

■ रूंगटा कॉलेज में नेशनल सिम्पोजियम का समापन

भिलाई। रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आरसीईटी) द्वारा विख्यात शोध विशेषज्ञ स्व.प्रो.एससी राव की स्मृति में आयोजित नेशनल सिम्पोजियम तथा कार्यशाला का समापन हुआ। अंतिम दिन शनिवार को कार्यक्रम के मुख्य आतिथि आईआईटी दिल्ली के प्रो.एसके साहा ने रोबोटिक्स और रोबोकॉन पर व्याख्यान दिया।

'प्लानर पैरेलल रोबोट्स एंड मेकेनिज्म' विषय पर आयोजित नेशनल सिम्पोजियम का आयोजन आरसीईटी के मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया था। मुख्य अतिथि प्रो.एसके साहा ने सकारात्मक सोच के साथ देश में तकनीकी क्षेत्र में शोध कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रूंगटा कॉलेज के इस आयोजन से छत्तीसगढ़ में रोबोटिक्स के क्षेत्र में शोध कार्यों को नई दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जीडीआर एजुकेशनल सोसाइटी के चेयरमेन संतोष रूंगटा ने कहा कि भविष्य में ऐसे और भी आयोजन एएमएम-इंडिया के सहयोग से आयोजित किए जाएंगे। जिससे राज्य के उच्च तकनीकी शिक्षा से जुड़े हुए सभी लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में इस सिम्पोज़ियम के कोऑर्डिनेटर डॉ.श्रीनाथ ने सिम्पोजियम के दौरान की हुई गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा दिया।

आरसीईटी के डायरेक्टर डॉ.ए.जगदीश, विशेष अतिथि छग शासन के पूर्व डायरेक्टर टेक्निकल एजुकेशन डॉ.डीएस बल ने इस आयोजन को राज्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यशाला के दौरान रोबोटिक्स क्षेत्र की अत्याधुनिक रिसर्च टेक्निक्स पर देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए प्रतिभागियों ने अपने पेपर प्रेजेन्ट किए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित किए। चेयरमेन संतोष रूंगटा व वाईस चेयरमेन संजय रूंगटा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह तथा शॉल द्वारा सम्मानित किया। रूंगटा समूह के डायरेक्टर (टेक्निकल) सौरभ रूंगटा, साकेत रूंगटा, डॉ.आरपी सुखीजा, प्रिंसिपल आरएसआरआरसीईटी, डॉ.नीता त्रिपाठी, प्रिंसिपल जीडीआरसीईटी, डॉ.ए.वाणी, डीन डॉ.वायएम गुप्ता, डॉ.डीके मिश्रा, डॉ.सान्याल तथा विभिन्न इंजी. कॉलेजों के प्रमुख तथा एचओडी तथा वरिष्ठ प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

सिम्पोज़ियम के समापन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण।

रविवार 10 जनवरी 2010

आगंतुकों को मिली अनुभूति

हरिभूमि न्यूज

भिलाई। रुंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी (आरसीईटी) के मेकेनिकल इंजनियरिंग डिपार्टमेंट द्वारा विख्यात शोध विशेषज्ञ स्व. प्रो. ए.सी. राव की स्मृति मे 'प्लानर पैरेलल रोबोट्स एण्ड मेकेनिज्म' विषय पर आयोजित नेशनल सिम्पोजियम तथा कार्यशाला का आज समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआटी, दिल्ली के प्रो. एस.के.साहा थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जीडीआर एजुकेशनल सोसायटी के चेयरमेन संतोष रुंगटा ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में इस सिम्पोजियम के कोऑर्डीनेटर डॉ. श्रीनाथ ने सिम्पोजियम के दौरान की हुई गतिविधियों का विस्तृत ब्योरा दिया तथा जीडीआर एजुकेशनल सोसायटी को इस समारोह के आयोजन के लिये आभार प्रकट किया। आरसीईटी के डायरेक्टर डॉ. ए.जगदीश ने स्व. प्रो. ए.सी. राव के शोध कार्यों का स्मरण करते हुए बताया कि स्व. प्रो. राव के मार्गदर्शन मे पीएचडी किये हुए उनके शिष्य आज अनेक उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रमुख पदों पर पदस्थ है। जीडीआर एजुकेशनल के चेयरमेन संतोष रुंगटा ने कहा कि यह रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी के लिये गौरव का विषय है कि आईआईटी तथ एनआईटी जैसे कॉलेजों के लिये इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स आयोजित करने वाली एसोसियेशन फॉर कॉलेजों के लिये इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स आयोजित करने वाली एसोसियेशन फॉर मेकेनिज्म एण्ड मशीन ने हमारे कॉलेज को स्व. प्रो. ए.सी. राव की स्मृति में आयोजित इस सिम्पोजियम को प्रायोजित किया है। मुख्य अतिथि प्रो. एस.के. साहा ने पॉजीटिव थिंकिंग पर विशेष जोर दिया उन्होंने कहा कि हमारे देश में यदि तकनीकी क्षेत्र में शोध कार्यों में तेजी लानी है तो हमें पॉजीटिव सोचना होगा। इस नेशनल लेवल सिम्पोजियम में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों से आये विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं तथा विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थित रही तथा वे रोबोटिक्स के क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों से अवगत हुए। इस सिम्पोजियम के दौरान वीआईटी, वेल्लोर से उपस्थित प्रो. बी.वी.ए. राव ने उच्च शिक्षा पर एक उत्यंत ही शिक्षाप्रद प्रेजेण्टेशन दिया। एनआईटी-राउरकेला से आये डॉ. श्रीनिवास द्वारा प्लानर रोबोट्स पर आधारित टॉक अत्यंत उपयोगी रहा। आईआईटी, दिल्ली के प्रो. एस.के. साहा द्वारा मल्टी बॉडी डायनामिक्स पर की नोट युवा इंजीनियर्स के लिये एक अच्छा अनुभव व ज्ञानार्जन का विषय रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित किये। चेयरमैन श्री संतोष रुंगटा व वाईस चेयरमेन संजय रुंगटा ने अतिथियं का स्मृति चिन्ह तथा शॉल द्वारा सम्मानित किया। उपस्थित जनों में रुंगटा समूह के डायरेक्टर (टेक्निकल) श्री सौरभ रुंगटा, श्री साकेत रुंगटा, डॉ. आर.पी.सुखीजा, प्रिंसिपल, आरएसआरआरसीईटी, डॉ. नीता त्रिपाठी, प्रिंसिपल, जीडीआरसीईटी, डॉ. ए.वाणी, डॉ. वाय,एम.गुप्ता, डॉ. डी.के.मिश्रा, डॉ. सान्याल तथा विभिन्न इंजी. कॉलेजों के प्रमुख तथा एचओडी तथा वरिष्ठ प्राध्यापकगण थे।